No. of Printed Pages : 6

MRDE-003

MASTER OF ARTS
(RURAL DEVELOPMENT)

Term-End Examination

01705

June, 2018

MRDE-003 : LAND REFORMS AND RURAL DEVELOPMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt all the **five** questions. All questions carry equal marks. Answers to questions no. 1 and 2 should not exceed 800 words each.*

1. Describe the major issues related to land reforms in India. *20*

OR

Explain the contributions of Bhoodan and Gramdan Movements. *20*

2. Discuss the impact of abolition of intermediaries in the context of land reforms in India. *20*

OR

Highlight the recommendations of the Committee on "Revitalization of Land Revenue Administration". *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 400 words each :

(a) Briefly explain the impact of British rule on land tenure system in Eastern India. *10*

(b) Describe the Peasant Movements and struggles during 1857 to 1947 in India. *10*

(c) Discuss the impact of land reforms on society and economy in India. *10*

4. Answer any ***four*** of the following in about 200 words each :

(a) Importance of Land Reforms *5*

(b) Pre-British Agrarian Structure and Land Tenure System *5*

(c) Bhu-Adhikar Abhiyan in Madhya Pradesh *5*

(d) Tenancy Reforms *5*

(e) Taxation in Mughal Period *5*

(f) Nature of Rural Power Structure in India *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) The Land Tenure System in Gupta Period *4*

(b) The Land Tenure System in North India *4*

(c) Pabna Movement *4*

(d) Peasant Struggles on the eve of Indian Independence *4*

(e) Land Ceiling *4*

(f) Permanent Settlement *4*

(g) Computerisation of Land Records *4*

(h) Voluntary Land Transfer Scheme in Philippines *4*

एम.आर.डी.ई.-003

एम.ए. (ग्राम विकास)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2018

एम.आर.डी.ई.-003 : भूमि सुधार और ग्राम विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न सं. 1 और 2 के उत्तर 800 शब्दों (प्रत्येक) से अधिक नहीं होने चाहिए ।*

---

1. भारत में भूमि सुधार से सम्बन्धित प्रमुख मुद्दों का वर्णन कीजिए । *20*

अथवा

भूदान और ग्रामदान आन्दोलनों के योगदानों को स्पष्ट कीजिए । *20*

2. भारत में भूमि सुधार के सन्दर्भ में बिचौलिया उन्मूलन के प्रभावों की विवेचना कीजिए । *20*

अथवा

"भू-राजस्व प्रशासन के पुनरोद्धार" पर समिति की सिफारिशों पर प्रकाश डालिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) पूर्वी भारत में भू-धृति (पट्टेदारी) प्रणाली पर ब्रिटिश शासन के प्रभाव को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए । *10*

(ख) भारत में 1857 से 1947 के दौरान कृषक आन्दोलनों और संघर्षों का वर्णन कीजिए । *10*

(ग) भारत में समाज और अर्थव्यवस्था पर भूमि सुधार के प्रभाव की विवेचना कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) भूमि सुधार का महत्त्व *5*

(ख) ब्रिटिश शासन पूर्व कृषिक संरचना और भू-धृति (पट्टेदारी) प्रणाली *5*

(ग) मध्य प्रदेश में भू-अधिकार अभियान *5*

(घ) काश्तकारी सुधार *5*

(ङ) मुग़लकालीन कर-व्यवस्था *5*

(च) भारत में ग्रामीण शक्ति संरचना की प्रकृति *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) गुप्त काल में भू-धृति प्रणाली 4

(ख) उत्तर भारत में भू-धृति प्रणाली 4

(ग) पाबना आन्दोलन 4

(घ) भारत की स्वतंत्रता के ठीक पहले के कृषक संघर्ष 4

(ङ) भू-जोत की अधिकतम सीमा का निर्धारण 4

(च) स्थायी बन्दोबस्त 4

(छ) भू-अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण 4

(ज) फिलीपिंस में स्वैच्छिक भूमि हस्तांतरण योजना 4